



NCERT Solutions For Class 8 Hindi Vasant III Chapter 10

पाठ 10 - कामचोर हिंदी

- इस्मत चुगताई

पृष्ठ संख्या: 57

कहानी से

1. कहानी में 'मोटे-मोटे किस काम के हैं' ? किन के बारे में और क्यों कहा गया ?

उत्तर

कहानी में 'मोटे-मोटे किस काम के हैं' बच्चों के बारे में कहा गया है क्योंकि वे घर के कामकाज में जरा सी भी मदद नहीं करते थे तथा दिन भर खेलते-कूदते रहते थे।

2. बच्चों के उधम मचाने के कारण घर कि क्या दुर्दशा हुई ?

उत्तर

बच्चों के उधम मचाने से घर कि सारी व्यवस्था खराब हो गई। मटके-सुराहियाँ इधर-उधर लुढ़क गए। घर के सारे वर्तन अस्त-व्यस्त हो गए। पशु-पक्षी इधर-उधर भागने लगे। घर में धूल, मिट्टी और कीचड़ का ढेर लग गया। मटर कि सब्जी बनने से पहले भेड़ें खा गए। मुर्गे-मुर्गियों के कारण कपड़े गंदे हो गए।

3. 'या तो बच्चा राज कायम कर लो या मुझे ही रख लो।' अम्मा ये कब कहा और इसका परिणाम क्या हुआ?

उत्तर

अम्मा ने बच्चों द्वारा किए गए घर के हालत को देखकर ऐसा कहा था। जब पिताजी ने बच्चों को घर के काम काज में हाथ बँटाने की नष्ट दी तब उन्होंने किया इसके विपरीत सारे घर को तहस-नहस। चारों तरफ़ समान बिखरा दिया, मुर्गियों और भेड़ों को घर में घुसा दिया। जिसका परिणाम यह हुआ कि काम करने के बजाए उन्होंने घर का काम कई गुना बढ़ा दिया जिससे अम्मा जी बहुत परेशान हो गई थीं। उन्होंने पिताजी को साफ़-साफ़ कह दिया कि या तो

बच्चों से करवा लो या मैं मायके चली जाती हूँ।
इसका परिणाम ये हुआ कि पिताजी ने घर की किसी भी चीज़ को बच्चों को हाथ ना लगाने कि हिदायत दे डाली नहीं तो सज़ा के लिए तैयार रहने को कहा।

4. 'कामचोर' कहानी क्या संदेश देती है ?

उत्तर

यह एक हास्यप्रधान कहानी है। यह कहानी संदेश देती है की बच्चों को उनके स्वभाव के अनुसार, उम्र और रुचि ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए। जिससे वेबचपन से ही रचनात्मक कार्यों में लगन तथा रुचि का परिचय दे सकें। उनके ऊपर बड़ों की जिम्मेदारी थोपनाबचपन को कुचलना है। अतः बड़ों को चाहिए की समझदार बच्चा बनकर बच्चों के बीच रहें और उन्हें सही दिशाप्रदान करें।

5. क्या बच्चों ने उचित निर्णय लिया कि अब चाहे कुछ भी हो जाए, हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे ?

उत्तर

बच्चों द्वारा लिया गया निर्णय उचित नहीं था क्योंकि स्वयं हिलकर पानी न पीने का निश्चय उन्हें और भी कामचोर बना देगा। उन्हें काम तो करना चाहिए पर समझदारी के साथ। बच्चों को घर-परिवार के काम धंधों को आपस में बाँट कर, बड़ों से समझ कर पुरा करना चाहिए। उन्हें अपने खाली समय का सदुपयोग करना चाहिए तथा रचनात्मक कार्यों में मन लगाते हुए परिवार-वालों का सहयोग करना चाहिए।

कहानी से आगे

1. घर के सामान्य काम हों या अपना निजी काम, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुरूप उन्हें करना आवश्यक क्यों है?

उत्तर

अपनी क्षमता के अनुसार काम करना इसलिए जरूरी है क्योंकि कि यदि हम अपने घर का काम या अपना निजी काम, नहीं करेंगे तो हम कामचोर बन जाएँगे और दूसरों पर आश्रित हो जाएँगे और ये निर्भरता हमें निकम्मा बना देगी। इसलिए हमें चाहिए कि अपने काम दूसरों से ना करवाकर स्वयं करें अपने काम के लिए आत्मनिर्भर बनें। हमें चाहिए कि हम अपने काम के साथ-साथ दूसरों के काम में भी मदद करें। अपना काम अपने अनुसार और समय पर किया जा सकता है।

2. भरा-पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है और कैसे दुखद? कामचोर कहानी के आधार पर निर्णय कीजिए।

उत्तर

अगर घर के लोग क्षमता के अनुरूप कार्यों को बाँट ले तो भरा-पूरा परिवार सुखद बन सकता है। इससे किसी दूसरे को काम करने के लिए कहने की जरूरत होगी और तनाव भी उत्पन्न नहीं होगा। इसके विपरीत अगर कार्यों को बाँटा नहीं गया तो सदा तनाव की स्थिति बनी रहेगी। अगर किसी को काम करने को कहा जायेगा तो वह या तो काम नहीं करेगा या दूसरों का काम समझ कर उसे अधूरे मन से करेगा। कामों के क्षमतानुसार विभाजित करने से कहानी जैसी दुखद स्थिति से बचा जा सकता है।

